COMMON EXAMINATION
Class-10CBSE
(HINDI COURSE-B-085)

Time Allowed: 3 hours *Maximum Marks:80*

सामान्य निर्देश:-

- इस प्रश्न पत्र में दो खंड हैं- खंड 'अ' और खंड 'ब'
- खंड 'अ' में उपप्रश्नों सहित 45 वस्तुपरक प्रश्न पूछे गए हैं| दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए कुल 40 प्रश्नों का उत्तर दीजिए |
- खंड 'ब' में वर्णनात्मक प्रश्न पूछे गए हैं,आंतरिक विकल्प भी दिए गए हैं|
- निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका पालन कीजिए |
- दोनों खंडों के कुल 18 प्रश्न है | दोनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य हैं |
- यथासंभव दोनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर क्रमशः लिखिए |

खंड-क (वस्तुपरक प्रश्न)

प्रश्न 1.निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वकपढ़कर इसके आधार पर सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनकर लिखिए :

कहते हैं न कि यदि लगन लग जाए तो कोई भी कार्य पूर्ण होते देर नहीं लगती, और यदि लगन रचनात्मक एवं सकारात्मक हो तो वह प्रतिष्ठा एवं ख्याति अर्जित कर लेती है| लगन को हम धुन भी कह सकते हैं, जैसे तुलसीदास जी को रामधुन लगी तो रामचरितमानस जैसी कालजयी कृति की रचना हुई| मीराबाई, चैतन्य आदि ने तो गिरधर गोपाल की धुन में ही जीवन व्यतीत किया| वर्तमान समय में भी कुछ परोपकारी समाज सेवियों द्वारा समाज के उत्थान एवं कल्याण की लगन कुछ इस प्रकार सामने आ रही है कि लोग अपने आस-पास के निर्धन तथा पिछड़े वर्ग के बच्चों को शिक्षित करने का कार्य कर समाज को नई दशा एवं दिशा प्रदान कर रहे हैं| किसी को सर्दियों के मौसम में ठिठुरते लोगों को कंबल ओढ़ाने की लगन है तो किसी को गरम चाय की दो चुस्कियों से राहत पहुँचाने की लगन है| इतना ही नहीं हमारी प्राचीन परंपराओं तथा संस्कृति को आगे बढ़ाने की लगन भी प्रायः देखने को मिलती है – पक्षियों को दाना डालने की, पानी पिलाने की तथा घायल पशु-पक्षियों का उपचार आदि कार्य के रूप में| कुछ समय पहले एक किस्सा सामने आया था कि कोई एक व्यक्ति किसी लावारिस लाश का दाह संस्कार कर देता था, कितना बड़ी एवं सकारत्मक सोच है| अतः लगन का मुद्दा कोई भी हो रचनात्मकता एवं सकारात्मकता अवश्य होनी चाहिए, जिससे समाज को सही दशा, दिशा एवं वसुधैव कुटुम्बकम का संदेश मिल सके|

(1) लगन कब प्रसीद्धि प्राप्त करती है?

क)जब वह महानुभावों की कृतियों में शामिल होती है |
ख)जब वह प्रतिष्ठित बन जाएँ |
ग)जब वह कार्य को संपूर्णता देने में सक्षम हो |
घ)जब उसमें रचनात्मकता एवं सकारात्मकता हो |

(2) वर्त्तमान समय में तुलसीदास, मीराबाई, चैतन्य आदि की लगन का ऐसा असर पडा है , जिनके बल-बूते __________प्रगतिपूर्ण समाज का निर्माण संभव हो पा रहा है|

(क) परोपकारी समाज सेवियों द्वारा
(ख) कालजयी कृतियों के द्वारा
(ग) उत्थान एवं कल्याण के द्वारा
(घ) नवीन विचारों के द्वारा

(3) कौन-सी बातें लोगों की सहृदयता एवं सहानुभूति का परिचय देती है?
(क) गरीब एवं पिछड़े वर्गों की शैक्षणिक तथा सामाजिक दशा सुधारने की लगन |
(ख) सर्दियों में कंबल ओढ़कर चाय की चुस्कियाँ लेते हुए गरीबों की मदद करने की लगन |
(ग) बच्चों को शिक्षा व संस्कृति के क्षेत्र में आगे बढाकर उनको नया रूप देने की धुन |
(घ) आसपास के लोगों की दिशा बदलकर उनको सही रास्ते पर लाने की धुन |

(4) यह गद्यांश किस सीख की ओर इंगित करता है?
(क) लगन का मुद्दा सही एवं निर्णय लेने योग्य हो |
(ख) लगन के मुद्दे की दशा-दिशा निश्चित हो |
(ग) समाज में ऐक्य एवं भाईचारे की भावना बढ़ें |
(घ) लगन रचनात्मक एवं सकारात्मक न हो |

(5) निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़िए और सही विकल्प चुनिए-

कथन (A) – आज भी प्राचीन परंपराओं तथा संस्कृति को बनाए रखने व आगे बढाने की धुन शामिल है |
कारण (R) – किसी व्यक्ति ने लावारिस लाश का दहन-संस्कार कर दिया |
(क)कथन (A) और कारण (R) दोनों गलत हैं|
(ख)कथन (A) सही है पर कारण (R) गद्यांश में नहीं है|
(ग)कथन (A) कारण (R) उचित वाक्य नहीं हैं |
(घ)कथन (A)और कारण (R) अपनी ओर से सही हैं पर कारण (R) कथन (A) की उचित व्याख्या नहीं करता है |

प्रश्न 2.निन्मलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वकपढ़कर इसके आधार पर सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनकर लिखिए :

आज से सौ वर्ष पूर्व मोहनदास करमचंद गाँधी ने शिक्षा के परिवर्तन पर मंथन किया था। उन्होंने शिक्षा का विश्लेषण केवल विद्यालय पुस्तक तथा परीक्षा तक ही सीमित रखकर नहीं किया था अपितु उन्होंने भारत की स्थिति पर विचार करने, प्रगति, सभ्यता तथा स्वतंत्रता को परखने का माध्यम बनाया था। ऐसा नही है कि उनके प्रत्येक विचार से सभी सहमत हो, पर सभी इस बात पर सहमत हैं कि उनके विचारों में समता, ईमानदारी, प्रखरता तथा भविष्य निर्माण की दृष्टि थी।

प्रसिद्ध टिप्पणीकार जगमोहन सिंह राजपूत ने लिखा है कि "भारत ने अनेक शिक्षाविद तथा नीति निर्धारक जब गाँधी के 'हिंद स्वराज' में दिए गए विचारों तथा बाद में बुनियादी शिक्षा और नई तालीम पर उनके विचारों से मुँह चुराते हैं, तब यह स्पष्ट हो जाता है कि वे गाँधीजी के विचारों की गतिशीलता को या तो समझ नहीं पा रहे है या समझना नहीं चाहते।" हिंद स्वराज पुस्तक 1903 ई. में लिखी गई। महात्मा गाँधी पहली बार 1888 ई. में विदेश के लिए रवाना हुए थे। वे 1888 से 1914 ई. के बीच भारत में केवल चार वर्ष ही रहे। गोपालकृष्ण गोखले ने गाँधीजी को सलाह दी थी कि उन्हें भारत भ्रमण कर देश की परिस्थितियों से परिचित होना चाहिए। इस सलाह के पूर्व ही गाँधीजी ने 'हिंद स्वराज' नामक पुस्तक लिखी थी। नवंबर, 1905 में गाँधीजी ने शिक्षा पर एक लेख लिखा था। उस लेख में उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के भारतीयों को सलाह दी थी कि उन्हें भारत में घटित हो रहे परिवर्तनों से सबक लेना चाहिए।
उस समय गाँधीजी अंग्रेज़ी एवं गुजराती में 'इंडियन ओपिनियन' नामक अखबार निकाल रहे थे। वे भारत की सारी घटनाओं से परिचित थे। शिक्षा संबंधी विचार उस समय उनके मानस में अंकुरित हो चुके थे। उस लेख में उन्होंने कहा था कि "भारतीयों का यह कर्तव्य बनता है कि वे शिक्षा प्रसार के लाभों से परिचित हो और यदि दक्षिण अफ्रीका की सरकार आगे नहीं आती है तो वे स्वयं आगे आकर भारतीय बच्चों की शिक्षा का प्रबंध करें।"

(1) गांधीजी ने शिक्षा को किस आधार पर परखने का मंथन किया था?
(क)पुस्तकीय ज्ञान के साथ-साथ परीक्षा के लिए तैयार करने का
(ख)भारत की स्थिति, उन्नति, स्वतंत्रता आदि को परखने का
(ग)शिक्षा को परिवर्तन, समय व विचार के आधार पर परखना
(घ)भारतीय सांस्कृतिक, सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति को परखने का

(2) गांधीजी से सभी बातों में सहमत न होने पर भी, उनके किन विचारों को झुठलाया नहीं जा सकता?
(क) उनके विचारों की समता, ईमानदारी, तीव्रता व दूरदर्शिता को
(ख)उनके विचारों की समता, प्रचंडता व भविष्यवाणी को
(ग)उनके विचारों की समता, ईमानदारी व प्रखरता को
(घ)उनके विचारों की गूढता,नेकी,शिष्टता व भविष्यवाणी को

(3) प्रसिद्ध टिप्पणीकार जगमोहन सिंह राजपूत ने गांधीजी के संदर्भ में, शिक्षाविदों एवं नीति निर्धारकों पर क्या कहा?
(क)वे गांधीजी के विचारों से सहमत नहीं हैं क्योंकि वे उन्हें बेकार मानते है |
(ख)वे गांधीजी के विचारों को अपने उसूलों के विरुद्ध मानते है और जी चुराते हैं|
(ग)वे गांधीजी को समझते नहीं या समझने का यत्न नहीं करते |
(घ)वे गांधीजी के विचारों को समझ पाने में असमर्थ हैं या समझने की चाहत नहीं रखते |

(4) निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द गद्यांश में दिए गए 'स्वतंत्रता 'शब्द के सही अर्थ को दर्शाता है –
(क)परतंत्रता
(ख)स्वाधीनता
(ग)स्वावलंबन

(घ)स्वशासन

(5) निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए –
(i) दक्षिण अफ्रीका के भारतीयों को भारत में घट रहे परिवर्तनों से सीखना चाहिए |
(ii) गोखले जी को गांधीजी की विदेश-यात्रा से जलते थे, इसलिए उनपर व्यंग्य कसते थे |
(iii) गांधीजी भारतीयों को अपने बच्चों की शिक्षा के हित में खुद मोर्चा उठाने के लिए कहा |
(iv) कई शिक्षाविद गांधीजी से मुँह चुराते थे, क्योंकि वे उन्हें समझते नहीं थे |
गद्यांश में दिए गए गांधीजी के विचारों के आधार पर कौन-से /कौन-सा कथन सत्य हैं/है?

(क) (i) और (ii) सही हैं |
(ख)केवल (iv) सही है |
(ग) (i) और (iii) सही है |
(घ) केवल (iii) सही है|

प्रश्न 3- निर्देशानुसार 'पदबंध' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए :- (1x4=4)
(1) इफ्फ़न की दादी दिलचस्प कहानियाँ <u>सुनाया करती थीं|</u> - रेखांकित पदबंध का भेद है-
(क)क्रिया-विशेषण पदबंध
(ख)क्रिया पदबंध
(ग)विशेषण पदबंध
(घ)सर्वनाम पदबंध

(2) <u>आज न सोलोमन है न लेखक की माँ</u> जो जीव-जंतुओं दिल से दुआ करते |- रेखांकित पदबंध का भेद है-
(क) सर्वनाम
(ख) विशेषण
(ग) क्रिया-विशेषण
(घ) संज्ञा

(3) उसके साथ दौड़ते समय वह फिसलकर गिर गया |-इसमें सर्वनाम पदबंध कौन-सा है?
(क) उसके साथ दौड़ते समय वह
(ख) दौड़ते समय वह फिसलकर
(ग) उसके साथ दौड़ते समय
(घ) वह फिसलकर गिर गया |

(4) रेखांकित पदबंधों में से क्रिया-विशेषण पदबंध का उदाहरण चुनिए –
(क) सीढ़ियों से वह <u>जल्दी-जल्दी नीचे</u> उतरने लगा |
(ख) वे इस महीने के अंत तक <u>घर आ जाएँगे</u> |
(ग) गली में कई कुत्ते <u>भौंक रहे थे</u> |
(घ) <u>कई छात्र</u> बैठे-बैठे ऊँघ रहे थे |

(5) <u>छींट की सफ़ेद</u> साड़ी पहनकर वह दफ़्तर के लिए तैयार हो गई | - रेखांकित पदबंध का भेद है?

(क) संज्ञा

(ख)विशेषण

(ग)सर्वनाम

(घ)क्रिया - विशेषण

प्रश्न 4- निर्देशानुसार 'रचना के आधार पर वाक्य भेद ' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए :- (1x4=4)

(1) मेरी प्रार्थना है कि तुम एक अच्छे आदमी बनो | - रचना के आधार पर वाक्य भेद है?

(क) सरल

(ख) मिश्र

(ग) विस्मयवाचक

(घ) संयुक्त

(2) जो आदमी रोज़ अखबार लेकर आता है ,वह आज आया क्यों नहीं ? – इसका सरल वाक्य है-

(क) रोज़ अखबार ले आनेवाला आदमी आज क्यों नहीं आया ?

(ख) रोज़ अखबार डालनेवाला वह आदमी आज क्यों नहीं आया ?

(ग) वह रोज़ अखबार लानेवाला आदमी है पर वह आज क्यों नहीं आया ?

(घ) वह जो आदमी रोज़ अखबार ले आता है ,वह आज क्यों नहीं आया है ?

(3) चाजीन बगल के कमरे में जाकर बर्तन ले आया | - इसका संयुक्त वाक्य है –

(क) चाजीन जैसे ही बगल के कमरे में गया ,वह बर्तन ले आया |

(ख) चाजीन के बगल के कमरे में जाते ही वह बर्तन ले आया |

(ग) चाजीन बगल के कमरे में गया और बर्तन ले आया |

(घ) जब चाजीन बगल के कमरे में गया तब वहाँ से बर्तन ले आया |

(4) निम्नलिखित वाक्यों में से मिश्र वाक्य कौन-सा है?

(क) वह बीमार था अन्यथा वह गृह कार्य कर लेता |

(ख) मेरे समझाने के बाद ही वह आया |

(ग) तुमने घर पर ताला लगा दिया है या नहीं ?

(घ) अगर मैं न उठती तो पता ही नहीं चलता, तुम यहाँ हो |

(5) जब रूढ़ियाँ ही बंधन बनने लगें तो उनको तोड़ना ही उचित है| - रचना के आधार पर वाक्य भेद है?

(क) सरल

(ख) संयुक्त

(ग) मिश्र

(घ) विधानवाचक

प्रश्न 5- निर्देशानुसार 'समास' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए :- (1x4=4)

(1) 'हिसाब-किताब' कौन-से समास का उदाहरण है?

(क) द्विगु समास

(ख) कर्मधारय समास

(ग) तत्पुरुष समास

(घ) द्वंद्व समास

(2) 'कर्मफल' – समस्त पद का विग्रह होगा?

(क) कर्म का फल

(ख) कर्म के लिए फल

(ग) कर्म और फल

(घ) कर्म रूपी फल

(3) निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए:

समस्त पद	**समास**
(i) मिष्ठान्न	**(i) कर्मधारय**
(ii) यशोगान	**(ii) तत्पुरुष**
(iii) आत्म-संतुष्टि	**(iii) द्वंद्व**
(iv) असहनीय	**(iv) अव्ययीभाव**

उपर्युक्त युग्मों में से कौन-से सही सुमेलित हैं ?

(क) (i) और (ii)

(ख) (iii) और (iv)

(ग) (i) और (iii)

(घ) (ii) और (iv)

(4) 'पशु-प्रवृत्ति' शब्द के लिए सही समास विग्रह और समास का चयन कीजिए –

(क) पशु और प्रवृत्ति – द्वंद्व समास

(ख) पशु की प्रवृत्ति – तत्पुरुष समास

(ग) पशु की है जो प्रवृत्ति -कर्मधारय समास

(घ) पशु की प्रवृत्ति है जिसकी (व्यक्ति विशेष)- बहुव्रीहि समास

(5) 'संदेह रहित' -इस समास विग्रह के लिए समस्त पद औरसमास का चयन कीजिए :

(क) बिनसंदेह – नञ् तत्पुरुष समास

(ख) संदेह्हीन - तत्पुरुष समास

(ग) निस्संदेह - अव्ययीभाव समास

(घ) संदेहित - कर्मधारय – समास

प्रश्न 6- निर्देशानुसार 'मुहावरे' पर आधारित छह बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए :- (1x4=4)

(1) मुहावरे और उसके अर्थ के उचित मेल वाले विकल्प चुनिए:

(क) लोहे के चने चबाना – दुखी होना

(ख) बाट जोहना- प्रतीक्षा करना

(ग) सन्नाटा सुनाई देना-शोर मचना

(घ) रंग दिखाना – मज़ाक उड़ाना

(2) 'कुछ पता ना चलना ' अर्थ के लिए उचित मुहावरे का चयन कीजिए:(

(क) चक्कर खाना

(ख) ठंडा पड़ना

(ग) राह न सूझना

(घ) सुराग ना मिलना

(3) मैं तो बुरे लोगों के ----------- हूँ क्योंकि मैं उनसे डरता हूँ | -रिक्त स्थान की पूर्ति के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए:

(क) मुँह न चुराना

(ख) साये से भागना

(ग) नामोनिशान मिटा देना

(घ) जी चुराना

(4) दिनभर खेत में काम करने के कारण किसान का -------------------- | - रिक्त स्थान की पूर्ति के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए:

(क) आँखों पर परदा पड़ गया |

(ख) कलेजा फटने लगा |

(ग) खून खौल उठा |

(घ) अंग-अंग ढीला हो गया।

(5) रेखांकित अंश के लिए कौन-सा मुहावरा प्रयुक्त करना उचित होगा?
यह फैक्ट्री बंद होने से हज़ारों मज़दूर आजकल <u>बेकार बैठे हैं।</u>

(क) मुँह फुलाना

(ख) मुँह फेरना

(ग) मक्खियाँ मारना

(घ) लाल-पीला होना

(6) 'भयभीत होना' अर्थ के लिए उचित मुहावरा क्या होगा?

(क) हवाइयाँ उड़ना

(ख) हवा से बातें करना

(ग) हाथ-पाँव मारना

(घ) माथे पर बल पड़ना

प्रश्न-7- निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए: (1X5=5)

मेरा त्राण करो अनुदिन तुम यह मेरी प्रार्थना नहीं
बस इतना होवे (करुणायम)
तरने की हो शक्ति अनामय।
मेरा भार अगर लघु करके न दो सांत्वना नहीं सही।
केवल इतना रखना अनुनय-
वहन कर सकूँ इसको निर्भय।
नत शिर होकर सुख के दिन में
तव मुख पहचानूँ छिन-छिन में।
दुःख-रात्रि में करे वंचना मेरी जिस दिन निखिल मही
उस दिन ऐसा हो करुणामय,
तुम पर करूँ नहीं कुछ संशय।।

(1) 'तरने की हो शक्ति अनामय' – का भाव है कि –
(क) सबके जीवन को पार लगाने की असीमित शक्ति|
(ख) जीवन की कठिनाइयों को स्वस्थ होकर पार करने की शक्ति|
(ग) रोगी काया व शक्ति के साथ ईश्वर भक्ति करने की ताकत|
(घ) इस संसार-सागर को पार करने की अपार शक्ति न पाना|

(2) 'मेरा त्राण करो अनुदिन तुम यह मेरी प्रार्थना नहीं' -
इस पंक्ति के आधार पर बताइए कि कवि ईश्वर से कौन-सी प्रार्थना नहीं करना चाहते –
(क) उनकी इच्छाएँ पूरी हों|
(ख) हर दिन उन्हें निडरता देते रहें|
(ग) हर बार उनकी शक्ति बढ़ती रहें|
(घ) सदा उनको बचाते रहें|

(3) कवि प्रभु से, अपना एक ही निवेदन, पूरा करने की माँग करते हैं-
(क) खुद की ज़िम्मेदारी को निडर होकर ढोयें|
(ख) अपने दुखों को निर्भयता से दूर करें|
(ग) अपने दुखों को कम न करने पर भी भय न दें|
(घ) सभी मुश्किलों को पार करें|

(4) 'नत शिर होकर" का तात्पर्य है?
(क) कमर झुकाकर
(ख) सिर झुकाकर
(ग) आँखें बिछाकर
(घ) दंडवत होकर

(5) कवि ईश्वर से आखिर क्या चाहते हैं?
(क) सुख हो या दुःख प्रभु की पहचान न भूलें तथा शक्ति न छूटें |
(ख) जीवन के हर मोड़ पर ईश्वर पर आस्था बढ़ती रहें और लोगों का विरोध सहते रहें |
(ग) सुख में प्रभु को पहचानें तथा दुःख में संपूर्ण दुनिया से भिड़ते हुए भी उनपर शक न हो|
(घ) जिस दिन पूरा संसार ईश्वर के विरुद्ध खडा हो,उस दिन उनपर विश्वास हो |

प्रश्न-8- निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर देने के लिए सही विकल्पों का चयन कीजिए: (1X2=2)
(1) "हुस्न और इश्क दोनों को रुस्वा करें
वो जवानी जो खूँ में नहाती नहीं" – इन पंक्तियों का क्या भाव है?
(क) जवानी में सुंदरता और प्यार को बदनाम करके भी देश की रक्षा करना |
(ख) वह जवानी ही क्या,जो सुंदरता और प्यार का त्याग कर,देश की रक्षा करना न सीखे |
(ग) जवानी को बदन और प्यार के लये ,खून की नदियाँ भी बहानी पड़ें ,तो देश के लिए करना चाहिए |
(घ) प्यार और इच्छाओं के नाम पर मर मिटने से अधिक देश पर न मर मिटना आवश्यक है |

(2) अखंड आत्म भाव जो असीम विश्व में भरे,
वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे।।- इन पंक्तियों को ध्यान से पढ़िए |
(i) वही मनुष्य सच्चा है, जो सबको खुद के साथ बाँधकर रखता है|
(ii) सच्चा मनुष्य सभी प्राणियों को अभिन्न मानकर चलता है |
(iii) जो व्यक्ति पूरे संसार को चलाता है, वही सच्चा मनुष्य है |
(iv) जो मनुष्य भाईचारे की भावना से सबको एक साथ पिरोए रखता है |
(v) उसी मानव में मानवता है, जो दूसरों के लिए खुद तड़पता है |
उपरोक्त पंक्तियों से मेल खाते वाक्यों के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए|
(क) (i),(ii) & (iii)
(ख) (ii),(iii) & (v)
(ग) (ii),(iv) & (v)
(घ) (iii),(iv) & (v)

प्रश्न-9- निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए: (1X5=5)

चाय तैयार हुई। उसने वह प्यालों में भरी। फिर वे प्याले हमारे सामने रख दिए गए। वहाँ हम तीन मित्र ही थे। इस विधि में शांति मुख्य बात होती है। इसलिए वहाँ तीन से अधिक आदमियों को प्रवेश नहीं दिया जाता। प्याले में दो घूँट से अधिक चाय नहीं थी। हम ओठों से प्याला लगाकर एक-एक बूँद चाय पीते रहे। करीब डेढ़ घंटे तक चुसकियों का यह सिलसिला चलता रहा। पहले दस-पंद्रह मिनट तो मैं उलझन में पड़ा। फिर देखा दिमाग की रफ़्तार धीरे-धीरे धीमी पड़ती जा रही है। थोड़ी देर में बिलकुल बंद भी हो गई। मुझे लगा, मानो अनंतकाल में मैं जी रहा हूँ। यहाँ तक कि सन्नाटा भी मुझे सुनाई देने लगा।

अकसर हम या तो गुज़रे हुए दिनों की खट्टी-मीठी यादों में उलझे रहते हैं या भविष्य के रंगीन सपने देखते रहते हैं। हम या तो भूतकाल में रहते हैं या भविष्यकाल में। असल में दोनों काल मिथ्या हैं। एक चला गया है, दूसरा आया नहीं है। हमारे सामने जो वर्तमान क्षण है, वही सत्य है।

उसी में जीना चाहिए। चाय पीते-पीते उस दिन मेरे दिमाग से भूत-भविष्य दोनों काल उड़ गए थे। केवल वर्तमान क्षण सामने था। और वह अनंतकाल जितना विस्तृत था।
जीना किसे कहते है, उस दिन मालूम हुआ।
झेन परंपरा की यह बड़ी देन मिली है जापानियों को!

(1) 'फिर देखा कि दिमाग की रफ़्तार धीरे-धीरे धीमी पड़ती जा रही थी | थोड़ी देर में बिलकुल बंद भी हो गई। मुझे लगा, मानो अनंतकाल में मैं जी रहा हूँ।' - इन पंक्तियों से यह पता चलता है कि लेखक –
(क) अपने आपे से बाहर हो गए |
(ख) वे तनाव मुक्त होने लगे |
(ग) वे किसी और जगह चले गए |
(घ) वे कहीं और चलकर बस गए |

(2) ' यहाँ तक कि सन्नाटा भी मुझे सुनाई देने लगा।' – यह कथन यही दर्शाता है कि झेन परंपरा में –
(क) शांति मुख्य बात होती है |
(ख) आवाजें भी सुनाईं देती हैं |
(ग) तीन से कम आदमी ही होते हैं |
(घ) चाय को प्यालों से ही पीना पड़ता था |

(3) **निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़िए और सही विकल्प चुनिए-**

कथन (A) - अकसर हम या तो गुज़रे हुए दिनों की खट्टी-मीठी यादों में उलझे रहते हैं या भविष्य के रंगीन सपने देखते रहते हैं।
कारण (R) – लेखक का मानना है कि हम तनाव में रहते हैं और सब कुछ भूल जाते हैं |
(क)कथन (A) और कारण (R) दोनों गलत हैं|
(ख)कथन (A) गलत है पर कारण (R) सही है|
(ग)कथन (A) सही है पर कारण (R) उसकी सही व्याख्या नहीं करता है |
(घ)कथन (A)और कारण (R) अपनी ओर से सही हैं और कारण (R) कथन (A) की उचित व्याख्या करता है |

(4) इस गद्यांश में लेखक ने दो कालों -भूत और भविष्यत् को किस तरह का माना हैं?
(क) एक बीत गया है,और दूसरा आया ही नहीं है,इसलिए दोनों के बारे में सोचना बेकार है |
(ख) एक चला गया है,दूसरा आया ही नहीं है ,पर हमें इनके बारे में सोचना है |
(ग) दोनों काल मिथ्या है,फिर भी हमें वर्तमान के लिए इनके बारे में सोचना चाहिए |
(घ) हम इनकी खट्टी-मीठी यादों में ही खोए रहते हैं और खुद को ही भूल जाते हैं |

(5) लेखक ने इस गद्यांश में कौन-सी बातें समझाने का यत्न किया है? -इन वाक्यों को ध्यानपूर्वक पढ़िए :
(i) ध्यान की यह परंपरा, जापानियों को प्राप्त वरदान है |

(ii) हमें काम करते रहना चाहिए तभी तनाव से मुक्ति मिल सकती है |
(iii) जापानियों का तनाव चाय पीते ही मिट जाता है |
(iv) जीवन का आज ही सच्चाई है |
उपरोक्त में से जो कथन सही हैं,उनका चयन कीजिए |
(क) (i) & (iii)
(ख) (ii) & (iv)
(ग) (iiI) & (iv)
(घ) (i) & (iv)

प्रश्न-10 निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर देने के लिए सही विकल्पों का चयन कीजिए: (1X2=2)
(1) 'तताँरा वामीरो कथा' पाठ के संदर्भ में कौन-से कथन सही हैं?
(i) परंपराएँ मानव विकास में कभी-कभी बाधक भी बन सकती है|
(ii) रूढ़ियों ने एक युगल की जान ले ली |
(iii) अपमान और क्रोध ने वामीरो को मरवा दिया |
(iv) प्यार बंदिशें नहीं देखता |
(v) तताँरा के हाथ में हमेशा एक तलवार होती थी |
उपरोक्त प्रश्न के लिए कौन-से वाक्य सही हैं,उस विकल्प का चयन कीजिए -
(क) (i) &(ii) &(iii)
(ख) (ii),(iii)& (v)
(ग) (i),(ii) & (iv)
(घ) (i),(ii)& (v)

(2) 'कारतूस' पाठ के अंत में वज़ीर अली की कौन-सी चारित्रिक विशेषता दृष्टिगोचर होती है?
(क) वह बददिमाग था,जो किसी को भी मर सकता था|
(ख) उसके कारनामे रॉबिनहुड की तुलना में कम थे |
(ग) वह अंग्रेजों को चकमा देने में दक्ष सिद्ध हुआ |
(घ) वह विद्रोहियों के साथ मिलकर कारतूस ले गया था |

खंड-ब (वर्णनात्मक प्रश्न)

प्रश्न (11) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर 60 शब्दों में दीजिए: (3X2=6)

(1) हम जीवन में कई बार निर्णय लेने से कतराते हैं या आना-कानी करते हैं, सोचने में ही समय गँवा देते हैं तथा कभी-कभी रास्ता भी भटक जाते हैं | क्या यह एक आदर्शवादी व्यक्ति का लक्षण है? हमें किन शाश्वत मूल्यों को अपनाकर पर अपने कार्य पर ध्यान केंद्रित करना चाहए, जिससे आदर्शवादी बनना संभव हो सकता है | 'गिन्नी का सोना' पाठ के आधार पर समझाएँ |

(2) बड़े भाई और छोटे भाई ने पढ़ाई के भिन्न तरीके अपनाए, जो एक के लिए हानिकारक और दूसरे के लिए लाभदायक सिद्ध हुआ | आप अपनी परीक्षा की तैयारी के लिए कौन-से तरीके अपनाएँगे? बड़े भाई साहब की जगह पर खुद को रखकर इसका समाधान ढूँढिए |

(3) प्रकृति मनुष्य को वहीं देती है जो उसने उसमें बोया है | क्या मनुष्य भी दूसरे इंनसानों के लिए वही करते हैं,जो उन्हें करना चाहिए ? क्या आप बड़े होकर ऐसा इंनसान बनना चाहेंगे जिस तरह के महापुरुषों का ज़िक्र 'अब कहाँ दूसरे के दुःख से दुखी होनेवाले ' पाठ में किया गया है? तर्क सहित उत्तर दीजिए कि आप किसकी तरह बनना चाहेंगे और क्यों?

प्रश्न 12 निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर 60 शब्दों में दीजिए: (3X2=6)

(1)"समय के हेर-फेर में राजा भी रंक हो सकता है | महत्त्वपूर्ण चीज़ों की स्थिति भी कम हो सकती है |' आपने किस कविता में इस परिवर्तन को पढ़ा है ? आप इससे क्या सीखते हैं?

(2) बारिश में घूमना तथा कल्पना लोक में विचरण करने का आनंद उठाना, एक अलग माहौल पैदा करता है | स्पर्श भाग-२ की किस कविता ने आपको ऐसा एहसास दिलाया है? इसका सजीव चित्रण करें |

(3) कबीर ने 'साखी' में ज्ञान,भक्ति व लोक कल्याण की बातें कही तो मीरा ने श्रीकृष्ण की आराधना की तथा उनका गुणगान किया | इन दोनों ने अपने-अपने तरीके से कैसे खुद को और दुनिया को सही रास्ता दिखाने का यत्न किया उनके दोहों व पदों के आधार पर समझाएँ|

प्रश्न 13 निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर 60 शब्दों में दीजिए: (3X2=6)

(1) कहा जाता है कि बुढ़ापा दूसरे बचपन के समान होता है |आदमी उन सभी चीज़ों की कामना करता है जिसे उसने अपने बचपन में महसूस किया था या जिसमें बचपना होता है |वह कई चीज़ों के लिए तरसता है,पर मिलता नहीं क्योंकि "बाप बड़ा न भैया, सबसे बड़ा रुपैया "|'हरिहर काका' पाठ के आधार पर समझाएँ |

(2) आपके विद्यालय में हेडमास्टर मदनमोहन शर्मा जी और पीटी मास्टर प्रीतमचंद जैसे अध्यापक होते तो आप किनके जैसे बनना पसंद करते ? क्यों?तर्क सहित उत्तर लिखिए |

(3) टोपी को अपने जीवन में किन कारणों से अपमान सहना पडा? आपके आसपास अथवा पाठशाला में टोपी के समान किसी को जानने का मौक़ा मिले तो आप उसको किस तरह सांत्वना देकर उसे समझाने का यत्न करेंगे? क्या टोपी को भी ऐसा कोई मिल पाया ? उत्तर लिखिए |

प्रश्न 14 निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग 100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए :   (5x1=5)

(1) सादा जीवन उच्च विचार
* भारतीय संस्कृति और सादा जीवन उच्च विचार * महत्ता * महापुरुषों का उदाहरण * वर्तमान स्थिति।
(2) मनोरंजन का बदलता स्वरूप
* मनोरंजन की आवश्यकता * मनोरंजन के प्राचीन साधन * मनोरंजन के साधनों में बदलाव* आधुनिक साधनों के लाभ-हानियाँ।
(3) दिल्ली का बढ़ता प्रदूषण

* कारण * सबका कर्तव्य * सरकार के कदम *समाधान

प्रश्न 15 (1) आप चंद्रगुप्त मौर्य पब्लिक स्कूल सिविल लाइंस वाराणसी (उ०प्र०) के छात्र 'प्रणव/प्रणीता' हैं। आप और आपकी कक्षा के कुछ छात्र रात्रिकालीन कक्षाओं में गरीब और मजदूरों के उन बच्चों को विद्यालय परिसर में पढ़ाना चाहते हैं जो विद्यालय नहीं जाते हैं। इसकी अनुमति माँगते हुए प्रधानाचार्य को प्रार्थना पत्र लिखिए | (शब्द सीमा लगभग 100 शब्द)

अथवा (5x1=5)

(2) चलती बस में आपकी जेब कट गई है इसकी शिकायत करते हुए बसों में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाने की ज़रूरत पर ध्यानाकर्षित कराते हुए दिल्ली के पुलिस उपायुक्त को पत्र लिखिए।

प्रश्न 16. किसी एक विषय पर लगभग 80 शब्दों में सूचना लिखिए : (4x1=4)

(1) आपकी कोलोनी में अग्रवाल अस्पताल की ओर से नेत्र-परीक्षण शिविर का आयोजन किया जानेवाला है | कोलोनी की सोसाइटी के सचिव होने के नाते आप रमेश , एक सूचना तैयार कीजिए |

अथवा

(2) आप नाट्य कला परिषद के सचिव हैं। स्कूल ने अन्तः विद्यालय नाटक प्रतियोगिता का आयोजन किया है। अपने स्कूल के विद्यार्थियों को इसकी जानकारी देते हुए एक सूचना लिखिए।

प्रश्न 17. किसी एक विषय पर लगभग 60 शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए : (3x1=3)

(1) 'शिक्षा का अधिकार' के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में इस अधिकार का लाभ उठाने के लिए एक विज्ञापन तैयार कीजिए |

अथवा

(2) राष्ट्रीय हथकरघा प्रदर्शनी केलिए एक विज्ञापन तैयार कीजिए |

प्रश्न 18 लघुकथा अथवा ईमेल लेखन लगभग 100 शब्दों में लिखिए : (5x1=5)

(1) 'कर भला हो भला " पर लगभग 100 शब्दों में लघुकथा लिखिए |

अथवा

(2) कोरोना के बाद आपके पिता का व्यापार बंद हो गया है | वे अस्वस्थ भी रहने लगे हैं| आप छात्रवृत्ति चाहते हैं| इस हेतु प्रधानाचार्य को ईमेल लिखिए **|**

****